

संपादकीय

भरोसे की परीक्षा

एआई आधारित सुधार आजमाने लायक

निस्संदेह, कैरियर से जुड़ी परीक्षाएँ लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। ऐसे में परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी पर परीक्षार्थियों का भरोसा कायम होना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में देशभर में जो युवा असंतोष के स्वर मुखर हो रहे हैं, उसकी शुरुआत नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता से हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली के अलावा झारखंड, बिहार व महाराष्ट्र आदि राज्यों में परीक्षा की विसंगतियों के चलते परीक्षार्थी आंदोलन करते नजर आए हैं। जब युवाओं में अपने भविष्य को लेकर आशंकाएँ पैदा हुई तो उनके सड़क पर उतरने का सिलसिला तेज हुआ। प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति उपजे अविश्वास को दूर करने के लिये केंद्र सरकार ने इन्फसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह, आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके।

प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति उपजे अविश्वास को दूर करने के लिये केंद्र सरकार ने इन्फसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह, आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके।

आखिरी समय में एक बड़े प्रश्न बैंक से पेपर तैयार करने पर लीक के पीछे का अनैतिक मुनाफे का कारोबार खत्म हो सकता है। निस्संदेह, उनके इस सुझाव और देशभर में कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को अपनाए जाने की बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। निर्विवाद रूप से तकनीकी इनोवेशन के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण व विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सभी प्रतियोगी छात्रों की पहुंच होनी भी जरूरी है।

निस्संदेह, एआई की मदद से पेपर तैयार करने का सुझाव तार्किक है। यदि परीक्षा से ठीक पहले सुरक्षित तरीके से सवाल चुने जाएंगे तो परीक्षा से पूर्व पेपर आउट होने की आशंका कम हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद ऐसा ऑफलाइन सिस्टम बनाना भी जरूरी है, जो परीक्षा की जांच से जुड़ी गलतियों, ग़लतप्रात और हेराफेरी रोकने के लिये स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके। यानी तकनीकी मानने योग्य ईमाना निगमनी भी जरूरी होगी। इसके अलावा कंप्यूटर आधारित टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रस्तावित विस्तार पर उतना ही ध्यान देने की भी जरूरत होगी। हालाँकि, वर्तमान में पहले से ही डेढ़ लाख टेस्टिंग सेंटर देश में मौजूद हैं। लेकिन लाखों उम्मीदवारों के लिये सुरक्षित इंटरनेट कनेक्टिविटी और गुणवत्ता के मानकों वाली परीक्षा सुविधाओं की भी जरूरत होगी। जिसकी कमी से ग्रामीण इलाकों के छात्रों और आर्थिक रूप से पिछड़े इलाकों के उम्मीदवारों को प्रतियोगिता परीक्षाओं के दौरान किसी तरह के नुकसान का सामना न करना पड़े। यहां उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी एक कमेटी ने सुरक्षा, प्रबंधन और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज पर कई अहम सुझाव दिए थे। इसके बावजूद, बाद में हुए विवादों, जिनमें 2026 का नीट पेपर लीक प्रकरण भी शामिल हैं, ने सिफारिशों को लागू करने में गंभीर खामियों को ही उजागर किया है। किसी भी एक और कमेटी बनाने से तब तक कोई विशेष लाभ नहीं हो सकता है, जब तक कि उसके सुझावों को ठोस और मानने योग्य कार्रवाई में नहीं बदल दिया जाता है। अक्षर प्रतियोगिता परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लीक होने के पीछे मानवीय दुर्बलताओं और प्रलोभन के चलते नैतिक मूल्यों का पराभव भी उजागर हुआ है। यहां तक कि प्रश्नपत्र बनाने की प्रक्रिया में शामिल लोगों की भूमिका भी पेपर आउट में सामने आई है। परीक्षा के लिये प्रश्नपत्र तैयार करने की व्यवस्था से जुड़े लोग किसी संदिग्ध गतिविधि में लिप्त न हो सकें, इसके लिये भी चाक-चौबंद व्यवस्था करने की जरूरत महसूस की जा रही है। तभी परीक्षार्थियों का परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा कायम हो सकेगा।



रूप राशि और डॉ. नितेश धवन

हम भारत के गौरवान्वित नागरिक हैं—जो आज नामीनल जीडीपी की दृष्टि से विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आर्थिक विकास का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र से संचालित होता है, जिसका देश की समग्र जीडीपी में एक-तिहाई योगदान है। इसमें भी ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों का प्रमुख योगदान है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खादी और हथकरघा क्षेत्र जैसे कुटीर उद्योगों के साथ-साथ ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों पर निर्भर करती है। ऐसे समय में, जब दुनिया असमानता, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, वहीं आईटी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में एआई नौकरियों को लगातार निगलते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के विजन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये कम संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न कौशल स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर स्थानीय स्तर पर पलायन को कम करने में भी सक्षम हैं। खादी—हाथ से काता और हाथ से बुना हुआ—भारत की आत्मा रही है। जिम्मेदार उत्पादन में ऊर्जा और जल का दक्षतापूर्वक उपयोग करते हुए प्राकृतिक रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। विकास के वाकै के रूप में इसकी क्षमता को धीमी गति से ही सही, लेकिन निरुत्तर मान्यता मिल रही है।

हमारा उद्योग एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है और मानव भावनाओं के व्यक्तिगत स्पर्श तथा अनुकरणीय कौशल के साथ विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, थालिया (यूनानी इतिहासकार

हेरोडोटस द्वारा रचित) और कौटिल्य से संबंधित विभिन्न लिखित ग्रंथों में न केवल कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है, बल्कि रेशम और कपास की उच्च गुणवत्ता का भी उल्लेख किया गया है, वहीं विभिन्न प्रकार की गुणवत्ता के कपास का उल्लेख संत के गुणों से जोड़कर किया गया है, वहीं विभिन्न प्रकार की बुनाइयां समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती हैं। हाथ से काते और हाथ से बुने 'जनसमूह द्वारा उत्पादित' खादी का उपयोग महात्मा गांधी जी ने उपनिवेशवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जाने वाले उत्पादन का मुकाबला करने के लिए किया था। स्वतंत्रता का यह वस्त्र आज अपने प्राकृतिक, आरामदायक और सतत होने के विशिष्ट गुणों के कारण पसंदीदा फैशन स्टेटमेंट बनता जा रहा है। इसका हस्तनिर्मित स्वरूप इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करता है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर होने वाले सामान्यीकृत उत्पादन के साथ मात्रा के स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता नहीं है। खादी की यात्रा—स्वदेशी और स्वतंत्रता का एक प्रतीक होने से लेकर समकालीन फैशन और जीवनशैली की पसंद, विशेषकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी की - बनने तक यह दर्शाती है कि कैसे परंपरा स्वयं को बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकती है। वास्तव में, निकट-स्रोत उत्पादन का कार्य और आर्थिक विकास) को आगे बढ़ाते हैं। हाल के उपाय, जिनमें खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा अप्रैल 2025 से कताई और बुनाई की मजदूरी में वृद्धि, कार्य उपकरणों, कार्य परिस्थितियों और उपकरण संबंधी अवसंरचना में सुधार के लिए अतिरिक्त सहायता तथा विपणन संबंधी सुविधाओं को बेहतर बनाना शामिल है, कारीगरों की आय बढ़ाने और पारंपरिक आजीविकाओं को आकर्षक तथा



अंतरकारी विशेषता है। चूंकि सूत भी हाथ से तैयार किया जाता है, इसलिए उत्पादन की श्रम-प्रधान प्रकृति बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करती है। वितरित व्यवस्था के तहत तैयार किए गए हस्तनिर्मित लच्छों के एकत्रीकरण का कार्य करने वाली खादी संस्थाओं को पिछले सात दशकों से खादी और ग्रामोद्योग द्वारा सहायता प्रदान की जाती रही है। केवीआईसी के विभागीय और गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से कौशल विकास और कौशल उन्नयन के जरिए क्षमता वृद्धि की जा रही है। देश की दो-तिहाई ग्रामीण आबादी दो देखते हुए, इस क्षेत्र का विशेष महत्व है, क्योंकि यह ग्रामीण उद्यमियों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराता है। इस प्रकार के हस्तक्षेप जमीनी स्तर पर लोगों के लिए आय सृजन के अवसर पैदा करके सीधे एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) और एसडीजी 8 (सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास) को आगे बढ़ाते हैं। हाल के उपाय, जिनमें खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा अप्रैल 2025 से कताई और बुनाई की मजदूरी में वृद्धि, कार्य उपकरणों, कार्य परिस्थितियों और उपकरण संबंधी अवसंरचना में सुधार के लिए अतिरिक्त सहायता तथा विपणन संबंधी सुविधाओं को बेहतर बनाना शामिल है, कारीगरों की आय बढ़ाने और पारंपरिक आजीविकाओं को आकर्षक तथा

अरब डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है (सीएजीआर 5 8.1 प्रतिशत के बीच), और इसमें जैविक कपास, हाइपोएलर्जिक कपड़ों तथा गैर-विषाक्त विनिर्माण प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। 21वीं सदी के भारत के लिए ब्रांड की स्थिति को प्रतिबिंबित करने वाले नवयुग खादी डिजाइनों को प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में खादी नॉलेज पोर्टल के साथ लॉन्च किया गया। इनमें 710 नए उत्पाद शामिल हैं, जो समकालीन और नवोन्मेषी तरीके से नए भारत की नई खादी को प्रस्तुत करते हैं। सभी आयु वर्गों के लोगों, जेन जी से लेकर दिल से युवा लोगों तक, को आकर्षित करने के लिए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वेलेनेस/योग वियर का संग्रह 'स्वधा' भी लॉन्च किया गया है।

खादी में रोजगार सृजन के लिए बहुत कम निवेश की आवश्यकता होती है। खादी विकास योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना, पीएमईजीपी जैसी योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे केवीआई संस्थानों/इकाइयों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकार वित्तीय सहायता, कार्यशील पूंजी की सुविधा, गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल की सहायता, प्रशिक्षण, ढाल-कट, से मजदूरी क्षतिपूर्ति, विपणन सहायता, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और सामाजिक सुरक्षा लाभों सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करके पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास कर रही है।

अहमदाबाद स्थित ईडीआईआई द्वारा किए गए मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार, जिसकी रिपोर्ट जनवरी 2026 में

प्रस्तुत की गई, सभी योजनाओं के तहत 75 प्रतिशत से अधिक कारीगरों ने हस्तक्षेप के बाद अपनी आय में मापनीय वृद्धि बताई और उन कारीगरों के लिए वर्षभर का स्थायी रोजगार सृजित हुआ, जो पहले मौसमी या वास्तवी श्रम पर निर्भर थे। इससे प्रवासी में श्रमिकों के पलायन को कम करने में मदद मिली। खाद्य प्रसंस्करण, अंगरबत्ती और हनी मिशन के तहत प्रशिक्षित कारीगर सुगंधित तेल, सुगंधित मोमबत्तियों या मूल्यवर्धित शहद उत्पादों जैसे नए उत्पादों की श्रेणियों में विविधता लेकर आए हैं। इस विविधीकरण से स्थानीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के प्रति वे अधिक सुदृढ़ हुए हैं।

खादी महिला सशक्तीकरण की दिशा में सीधे योगदान देती है और इस प्रकार समावेशी विकास के उद्देश्य के अनुरूप है। लगभग पांच लाख खादी कारीगरों में से करीब 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। अध्ययन के अनुसार, जीवीवाई योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी अधिक पाई गई, विशेष रूप से अंगरबत्ती, हस्तनिर्मित कागज, हनी मिशन और सेवा उद्योग क्षेत्रों में।

इसलिए, इस क्षेत्र में किसी भी रूप में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने उनके लिए सीधा पारिश्रमिक सुनिश्चित किया है, जिससे उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता और अपने घरों के भीतर तथा बाहर बड़े हुए आत्मसम्मान के माध्यम से सशक्त बनाया जा रहा है। महिलाओं को उत्पादक आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम बनाकर, खादी सीधे एसडीजी 5 में योगदान देती है और साथ ही एसडीजी 10 के तहत सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने में भी सहायता करती है।

(**डकेवीआईसी, मुंबई के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।**)

इकोनॉमी इस आधार पर चलती है कि हम किस तरह के फैसले लेते हैं

लेकिन यदि उसी परिवार को नौकरी जाने का डर हो या कारोबार में मंदी की आशंका हो, तो वह खर्च कम करके बचत बढ़ाने की कोशिश करेगा। दोनों परिवारों की वर्तमान आय समान होने के बावजूद उनके फैसले अलग हो सकते हैं, क्योंकि आर्थिक निर्णय भविष्य की संभावनाओं, की आर्थिक सुरक्षा और उपलब्ध जानकारी पर भी निर्भर करते हैं। रॉबर्ट ई. हॉल के शोध का महत्वपूर्ण संदेश यही है।

परिवारों के खर्च को समझने के लिए उनकी वर्तमान आय के साथ भविष्य की आय संबंधी अपेक्षाओं को भी समझना जरूरी है। जब बड़ी संख्या में परिवार भविष्य को लेकर चिंतित होकर खर्च कम कर देते हैं, तो बाजार में मांग घट सकती है, कारोबारियों की बिक्री प्रभावित हो सकती है और निवेश तथा रोजगार के नए

अवसरों पर भी असर पड़ सकता है।

इस प्रकार व्यक्तिगत स्तर पर लिए गए निर्णय पूरी अर्थव्यवस्था की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि सभी परिवार भविष्य के बारे में पूरी जानकारी रखते हैं या एक ही तरह से व्यवहार करते हैं। आय की अनिश्चितता, बचत की क्षमता, ऋण की उपलब्धता और पारिवारिक जरूरतें भी उनके फैसलों को प्रभावित करती हैं।

माइकल वुडफोर्ड के शोध ने यह समझने में योगदान दिया कि मौद्रिक नीति का प्रभाव बदलते व्याज दर में बदलाव से नहीं, बल्कि इससे भी पड़ता है कि परिवार और कारोबारी भविष्य की आर्थिक परिस्थितियों तथा केंद्रीय बैंक की नीतियों के बारे में क्या अपेक्षाएं रखते हैं।

मान लीजिए भारतीय रिजर्व बैंक

व्याज दरों में कमी करता है, इससे ऋण की लागत घटने और घर खरीदने या कारोबार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलने की संभावना हो सकती है। लेकिन यदि लोगों को लगता है कि भविष्य में उनकी आय घट सकती है या रोजगार सुरक्षित नहीं है, तो वे कम व्याज दर के बावजूद नया ऋण लेने से कतराएंगे। दूसरी ओर यदि उन्हें भविष्य में सक्षम बनाने का निवेश और खर्च बढ़ाने के लिए तत्पर हो सकते हैं।

महंगाई को सामान्यतः वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि के रूप में देखा जाता है। लेकिन भविष्य में कीमतें कितनी बढ़ेंगी, इस बारे में लोगों की अपेक्षाएं भी बहुत भिन्न रहती हैं। यदि कारोबारियों को लगता है कि कच्चे माल, मजदूरी और परिवहन की लागत लगातार

बढ़ेंगी, तो वे अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं। इसी तरह कर्मचारी यदि मानते हैं कि महंगाई के कारण उनकी वास्तविक आय घटेगी, तो वे अधिक वेतन की मांग कर सकते हैं।

सार यह है कि अर्थव्यवस्था की सफलता केवल सही नीतियां बनाने में नहीं, बल्कि यह समझने में भी है कि वे नीतियां क्यों के व्यवहार को कैसे प्रभावित करेंगी। अर्थव्यवस्था कोई अलग से चलने वाली मशीन नहीं है, वह करोड़ों परिवारों, उद्यमियों, कर्मचारियों व निवेशकों के निर्णयों से मिलकर बनती है। उसे स्थिर रखने के लिए सही नीतियों के साथ लोगों की अपेक्षाओं, परिस्थितियों और भरोसे को समझना भी उतना ही जरूरी है।

(**ये लेखक के अपने विचार हैं**)

शारदीय नवरात्रि : माँ दुर्गा की आराधना से नारी शक्ति का जागरण

सावित्री ठाकुर



भारतीय संस्कृति में शारदीय नवरात्रि शक्ति, श्रद्धा, साधना और आत्मशुद्धि का पावन पर्व है। माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना हमें जीवन में साहस, संयम, धैर्य, करुणा और आत्मविश्वास अपनाने की प्रेरणा देती है। ये नौ दिन केवल पूजा-अर्चना का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर की शक्ति को पहचानने और समाज के प्रति अपने दायित्वों का संकल्प लेने का समय भी हैं। नवरात्रि का प्रत्येक दिन एक विशेष संदेश लेकर आता है। माँ शैलपुत्री दृढ़ संकल्प, माँ व्रतसचरिणी तपस्या और अनुशासन, माँ चंद्रघंटा साहस तथा माँ कृष्णंाङ सुजनशीलता की प्रेरणा देती हैं। माँ स्कंदमाता वात्सल्य, माँ कालायानी अत्याय के विरुद्ध संघर्ष, माँ कालरात्रि निर्भयता, माँ महागौरी पवित्रता और माँ सिद्धिदात्री साधना की पूर्णता का संदेश देती हैं।

व्रत, ध्यान, मंत्र-जप और सेवा के माध्यम से हम मन को एकाग्र कर सकते हैं तथा अपने जीवन में सकारात्मकता और अनुशासन ला सकते हैं। सच्ची साधना वही है, जो हमारे विचारों को शुद्ध करे, व्यवहार में संवेदनशीलता लाए और हमें

दूसरों के कल्याण के लिए प्रेरित करे।

माँ की आराधना और नारी शक्ति का सम्मान

भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। माँ दुर्गा का स्वरूप हमें याद दिलाता है कि नारी में ममता और करुणा के साथ साहस, नेतृत्व और संघर्ष की अद्भुत क्षमता भी विद्यमान है। आज महिलाएँ शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, उद्यमिता, कृषि और राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परिचय दे रही हैं।

नारी शक्ति का वास्तविक सम्मान केवल देवी की पूजा तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है कि प्रत्येक बेटी को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके निर्णयों का सम्मान करने और भेदभाव से मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयास ही माँ की आराधना का वास्तविक अर्थ प्रदान करते हैं।

जब एक महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर बनती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। इसलिए महिला सशक्तीकरण केवल महिलाओं के विकास का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और अवसरों से परिपूर्ण



वातावरण तैयार करना है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, बालिकाओं की शिक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे विषय हमारे सामूहिक प्रयासों की प्राथमिकता हैं।

महिला सशक्तीकरण को राष्ट्र के विकास का अभिन्न अंग बनाने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। सरकार की सोच महिलाओं के विकास तक सीमित न रहकर उन्हें विकास का नेतृत्वकर्ता बनाने की है।

इसी दिशा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' ऐतिहासिक पहल है, जिसके माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई अर्थात् 33 प्रतिशत सीटों के आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किया गया। यह पहल देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने

और निर्णय-निर्माण में उनकी भूमिका सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्र सरकार ने महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तीकरण के साथ उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दी है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच और उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करता है। मिशन शक्ति महिलाओं की सुरक्षा, सहायता और सशक्तीकरण पर केंद्रित है, जबकि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 मातृ एवं बाल पोषण को मजबूती प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पात्र गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नवरात्रि पर लें नारी सम्मान और सेवा का संकल्प

शारदीय नवरात्रि हमें सिखाती है कि शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल सामर्थ्य नहीं, बल्कि उसका उपयोग सत्य, न्याय और लोककल्याण के लिए करना है। इस पावन अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि बेटीयों को आगे बढ़ने के अवसर देंगे, महिलाओं के योगदान का सम्मान करेंगे और जरूरतमंद बच्चों एवं महिलाओं की सहायता के लिए आगे आएँगे।

आइए, इन नौ दिनों की साधना को अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनाएँ। हमारी आस्था आत्मबल बने, हमारी भक्ति सेवा का मार्ग प्रशस्त करे और हमारे संकल्प महिला सशक्तीकरण तथा बाल कल्याण को नई दिशा दें।

माँ दुर्गा से प्रार्थना है कि उनकी कृपा से प्रत्येक परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आए, प्रत्येक महिला को आत्मसम्मान एवं आत्मनिर्भरता की शक्ति मिले और प्रत्येक बेटी अपने सपनों को सकार कर सके। हम सब मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण में योगदान दें, जहाँ नारी का सम्मान हो, बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो और समान अवसर प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचें।

आप सभी को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय माता दी!

लेखिका महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री हैं

संस्कारों की रात कि बच्चे नहीं सुनने को तैयार

बच्चों को उपदेश याद रहें या न रहें, हमारे व्यवहार का वीडियो उनके मन में लगातार चलता रहता है। बच्चों से संस्कारों का हिसाब लेने से पहले बड़ों को अपना रिपोर्ट कार्ड भी देखना होगा। संस्कारों की समस्या पुरतैनी है। हर बाप अपने बच्चे से कहता है—हमारे जमाने में बड़ों के सामने आंख उठाकर बात नहीं करते थे। बड़े जो कह दें, पत्थर की लकीर होती थी। आजकल बच्चों के संस्कारों को लेकर सब परेशान हैं। संस्कार कोई ऐसी विरासत नहीं हैं, जिसे बड़े अपनी जेब से निकालकर बच्चों की जेब में डाल दें। ये तो घर के वातावरण में पलते हैं।

कोई कहता है कि बच्चे पैर नहीं छूते, कोई शिकायत करता है कि जवाब बहुत देते हैं। लगता है, संस्कार कोई सरकारी योजना थी, जो पिछली पीढ़ी को मुफ्त मिली और अगली पीढ़ी ने लेने से इनकार कर दिया! एक छोटा-सा सवाल बीच में अटका है कि बच्चों में संस्कार होने चाहिए, लेकिन बड़ों को कौन सिखाए?

बच्चा ऊँची आवाज़ में बोल दे, तो बदतमीज़ है। घर का बड़ा बच्चों के सामने अपनी पत्नी या भाई को बेइज्ज़त कर दे, तो उसे अनुशासन कहते हैं। संस्कार! तेरे भी अलग-अलग नियम हैं। बड़े गाली देते हैं, तभी तो बच्चा सीखता है।

बच्चों को हम सिखाते हैं कि झुट नहीं बोलना चाहिए। फिर फ़ोन बजने पर बच्चे से कहते हैं कि बता देना, पापा घर पर नहीं हैं। बच्चा बेचारा सब बोलने की कोशिश करता है। हम आंखें दिखाते हैं।

हम चाहते हैं कि बच्चे बड़ों से तमीज़ से बात करें। लेकिन बड़े आपस में कैसे बात करते हैं? सड़क पर गाड़ी टकरा जाए, तो संस्कार पहले खिड़की से बाहर निकलते हैं। पड़ोसी से ज़मीन का एक फूट हिस्सा कम-ज्यादा हो जाए, तो वर्षों की दोस्ती ख़त्म हो जाती है। किसी समारोह में कुर्सी आगे न मिले तो चेहरा पर ऐसा तनाव आ जाता है, जैसे लोकतंत्र ख़तरे में पड़ गया हो। और फिर घर लौटकर बच्चे को समझाते हैं—बेदा, गुस्सा करना अच्छी बात नहीं है।

हम बच्चों को सिखाते हैं कि चुगाली नहीं करनी चाहिए। फिर फ़ोन पर आधे घंटे तक मोहल्ले का पूरा समाचार बुलेटिन सुनाते हैं। आज हमें बच्चों को मोबाइल से दूर रखने की चिंता है। खुद दर रात तक मोबाइल पर झुके रहते हैं। उनके सामने हमारा अपना व्यवहार भी तो कोई पाउशाला है। बच्चों को उपदेश याद रहें या न रहें, हमारे व्यवहार का वीडियो उनके मन में लगातार चलता रहता है। बच्चों से संस्कारों का हिसाब लेने से पहले बड़ों को अपना रिपोर्ट कार्ड भी देखना होगा।

Since 1972

CROWN[®]-TV

Choice Of Millions

**LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size**

CONTACT :
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

सेवा संकल्प



दुर्ग के ट्रांसपोर्ट नगर में 105.85 लाख रुपए की लागत से बनेगी सीसी रोड

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वाई क्रमांक 15, ट्रांसपोर्ट नगर में 105.85 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नागरिकों को बेहतर सड़क, सुगम आवागमन और सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। सीसी रोड से इस क्षेत्र की यातायात व्यवस्था काफी बेहतर होगी। इससे स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी सुविधा मिलेगी।

राष्ट्रीय मंच पर चमका बालोद, अतिथियों को माया रसमाधुरी और मिल्क केक का स्वाद

बालोद। जगदलपुर में 8 एवं 9 अक्टूबर 2026 को आयोजित भव्य 'राष्ट्रीय सहकार से समृद्धि कार्यशाला' में बालोद की प्रतिष्ठित गंगा मैय्या उत्पादक एवं प्रसंस्करण सहकारी समिति मर्यादित (पंजीयन क्रमांक 87) को न केवल अपना स्टॉल लगाने का अवसर मिला, बल्कि देश भर से आए मुख्य अतिथियों के भोजन में इसके दुग्ध ब्रांड 'दूध गंगा' द्वारा निर्मित प्रसिद्ध व्यंजनों को शामिल किया गया। यह उपलब्धि दूध गंगा बालोद परिवार के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। जो मिठाइयों और दुग्ध उत्पाद अब तक केवल जिले में ही बिकते थे और स्थानीय लोगों द्वारा पसंद किए जाते थे।

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माता शबरी की पावन नगरी शिवरीनारायण में तीन दिवसीय शिवरीनारायण महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर महानदी पर 63 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से नए पुल के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने नगर के गंदे पानी के समुचित शोधन के लिए एसटीपी प्लांट की स्थापना तथा राम वनगमन पर्यटन परिपथ के अंतर्गत शिवरीनारायण के विकास की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने शिवरीनारायण को नगरपालिका बनाने की दिशा में आवश्यक सर्वे कराने की बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से शिवरीनारायण का विशेष महत्व है। यहां की आवश्यकताओं और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अधोसंरचना एवं नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। महानदी पर नए पुल के निर्माण से क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम होगा और आसपास के गांवों एवं क्षेत्रों को बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी। एसटीपी प्लांट की स्थापना से नगर की स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ होने के साथ महानदी के संरक्षण में भी सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शिवरीनारायण महोत्सव एवं शारदीय नवरात्रि की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम के चरणों से पावन हुई माता शबरी की इस धरती पर आना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि माता



शबरी के बुलावे पर वे सप्तीक यहां पहुंचे हैं। शिवरीनारायण की भूमि आस्था, भक्ति और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर गौमाता की पूजा की और मां चित्रोत्पला गंगा की महाआरती में शामिल होकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने शिवरीनारायण में प्रतिदिन संध्या आरती की परंपरा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी परंपराएं हमारी आस्था और संस्कृति को नई पीढ़ी से जोड़ती हैं। उन्होंने इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदेशवासियों को दी गई

विकसित भारत के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा छत्तीसगढ़ राज्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज, वन संपदा और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस राष्ट्रीय संकल्प को पूरा करने में छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, रोजगार और आधुनिक तकनीक सहित सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है। सरकार और समाज के सामूहिक प्रयास से विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य भी साकार होगा।

नागरिकों को समय पर सेवाएं देना सुशासन का मूल उद्देश्य, यही होगी सच्ची जन सेवा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नागरिकों के काम सरलता और समयबद्ध तरीके से हों, इसके लिए सुशासन एवं अभिप्रशरण विभाग का गठन किया गया। पारदर्शिता और जवाबदेही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से प्रदेश के नागरिक चौबीस घंटे अपनी समस्याएं और शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 36 विभागों की 700 से अधिक सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे नागरिकों को छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और वे घर बैठे अनेक शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

धान के बदले अन्य फसलों लगाने पर मिलेगी 15,000 प्रति एकड़ की सहायता

बालोद। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के किसानों की आय बढ़ाने और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषक उन्नति योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। यदि किसान इस सरकारी योजना का लाभ उठाना चाहते हैं, तो 31 अक्टूबर 2026 तक अपना पंजीकरण अवश्य करा लें। धान के स्थान पर अन्य फसल लेने पर खरीफ वर्ष 2026 में धान के स्थान पर कोई अन्य खरीफ फसल लगाते हैं, तो उन किसान को 15,000 रुपए प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि दी जाएगी।

जो किसान पहले से ही दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास की खेती कर रहे हैं, उन्हें 10,000 रुपए प्रति एकड़ सहायता राशि प्रदान की जाएगी। किसानों को इस योजना की सहायता राशि सीधे बैंक खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से भेजी जाएगी। पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है, सभी किसान अपने क्षेत्र की निकटतम सेवा सहकारी समिति के माध्यम से एकीकृत किसान पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

मंत्री राजवाड़े की पहल पर 12 घंटे में ग्राम लटोरी पहुंच गई एएलएस एंबुलेंस



श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लटोरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एडवॉंस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) 108 एंबुलेंस की सुविधा मिली है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आज सेवा संकल्प अभियान के तहत हरी झंडी दिखाकर एंबुलेंस को रवाना किया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की घोषणा के महज

12 घंटे के भीतर एंबुलेंस लटोरी पहुंच गई।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सुशासन सरकार की प्राथमिकता है। हमारा निरंतर प्रयास है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में भी स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हो और जरूरतमंदों को समय पर उपचार मिल सके। लटोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एएलएस एंबुलेंस की सुविधा से गंभीर मरीजों और दुर्घटना पीड़ितों को आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध

कराने में मदद मिलेगी।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने एंबुलेंस की मांग पर त्वरित पहल कर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से लटोरी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को लाभ होगा और जरूरत पड़ने पर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थानों तक सुरक्षित पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि 13 अक्टूबर को सूरजपुर जिले में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल से लटोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए एएलएस एंबुलेंस उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। स्वास्थ्य मंत्री ने तत्काल एंबुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की और घोषणा के 12 घंटे के भीतर एंबुलेंस लटोरी पहुंच गई। कार्यक्रम में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन श्री बाबूलाल अग्रवाल, सीएमएचओ डॉ. प्रशंत सिंह उपस्थित रहे।

‘सुकमा कनेक्ट 2.0’ को मिली राष्ट्रीय सराहना देश के 14 चयनित प्रस्तावों में किया गया शामिल

- 24 घंटे बहुभाषी कॉल सेंटर और मोबाइल सेवा वैन से घर के करीब मिलेंगी नागरिक सुविधाएं
- सेवा संकल्प अभियान की भावना के अनुरूप दूरस्थ वनांचलों तक पहुंचेगा प्रशासन

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचलों तक शासन की योजनाओं और नागरिक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। सुकमा जिले की अभिनव पहल ‘सुकमा कनेक्ट 2.0’ को भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने ‘स्टेट कोलैबोरेशन इनिशिएटिव’ के तहत देश के 14 चयनित प्रस्तावों में शामिल करते हुए 1.17 करोड़ रुपए की वित्तीय मंजूरी दी है।

प्रशासन द्वारा समन्वय केंद्र सेवा का विस्तार करते हुए प्रस्ताव सुकमा कनेक्ट (सीएमसीसी) 2.0

प्रस्तुत किया गया था। सेवा संकल्प अभियान की भावना के अनुरूप अंतिम छोर तक शासकीय सेवाएं पहुंचाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। इसके तहत अब दूरस्थ गांवों के ग्रामीणों को मोबाइल सेवा वैन और चौबीसों घंटे संचालित बहुभाषी कॉल सेंटर के माध्यम से नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दूरस्थ और आदिवासी अंचलों में शासकीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दे रही है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भी

नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने और उनकी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी दिशा में ‘सुकमा कनेक्ट 2.0’ तकनीक और प्रशासनिक समन्वय के जरिए ग्रामीणों को जरूरी सेवाएं उनके गांवों के करीब उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा।

सुकमा जिले में मार्च 2026 से संचालित सीएमसीसी 1.0 के माध्यम से अब तक 40 हजार से अधिक फोन कॉल किए गए हैं। इस पहल के तहत 10 हजार 78 आयुष्मान कार्ड और 11 हजार 103 नए मतदाता पहचान पत्र बनाए गए

हैं। इसके अलावा 5 हजार 788 आधार नामांकन और 27 हजार 391 बायोमेट्रिक अपडेट किए गए हैं। आजीविका संवर्धन के लिए 452 महिला स्व-सहायता समूहों का गठन कर 4 हजार 745 परिवारों को आजीविका से जोड़ा गया है।

‘सुकमा कनेक्ट 2.0’ के तहत स्थानीय बोलियों में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराने के लिए बहुभाषी कॉल सेंटर स्थापित किया जाएगा। दो मोबाइल सेवा वैन दूरस्थ गांवों में पहुंचकर आधार सहित अन्य नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इससे अंदरूनी क्षेत्रों के ग्रामीणों को जरूरी सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय करने की परेशानी कम होगी।

जिले के 198 आवासीय विद्यालयों एवं आश्रमों में डिजिटल उपस्थिति प्रणाली लागू की जाएगी। साथ ही शाला से बाहर बच्चों की पहचान और निगरानी के लिए विशेष व्यवस्था विकसित की जाएगी, ताकि उन्हें दोबारा शिक्षा से जोड़ा जा सके। योजनाओं गतिविधियों की निगरानी के लिए कलेक्टर स्तर पर डिजिटल डैशबोर्ड भी तैयार किया जाएगा।

आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही जीपीएम की 59 हजार महिलाएं

- बिहान योजना से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की तकदीर
- महिला सशक्तिकरण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही नई मजबूती
- बचत, बैंकिंग, कौशल विकास से आ रहा सकारात्मक बदलाव

श्रीकंचनपथ समाचार



संगठित होकर बचत, वित्तीय प्रबंधन, स्वरोजगार और आजीविका के नए अवसरों की ओर कदम बढ़ा रही हैं। बिहान मिशन महिलाओं के लिए केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

जिले में बिहान मिशन के अंतर्गत महिलाओं को संगठित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में

लागातार प्रयास किए जा रहे हैं। मिशन की 13 अक्टूबर 2026 तक की प्रगति के अनुसार जिले में कुल 5,576 स्व-सहायता समूहों का गठन किया जा चुका है, जिनसे 59,524 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। यह उपलब्धि ग्रामीण महिलाओं में सामूहिक संगठन, आर्थिक जागरूकता और आत्मनिर्भरता के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाती है।

गौरेला विकासखंड में 1,828 स्व-सहायता समूहों

से 19,654 महिलाएं जुड़ी हैं। इसी प्रकार पेंड्रा विकासखंड में 1,603 समूहों के माध्यम से 17,612 महिलाएं तथा मरवाही विकासखंड में 2,145 समूहों से 22,258 महिलाएं संगठित हुई हैं। जिले में समूहों की संख्या और महिलाओं की भागीदारी के मामले में मरवाही विकासखंड अग्रणी है। इन समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को एक साझा मंच मिल रहा है, जहां वे अपनी आर्थिक जरूरतों, बचत, आजीविका और सामूहिक विकास से जुड़े विषयों पर निर्णय लेने में भागीदारी कर रही हैं।

महिला सशक्तिकरण को दिशा में जिले में बिहान मिशन का विस्तार निरंतर जारी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 676 नए स्व-सहायता समूहों का गठन किया गया है, जिनसे 12,029 महिलाएं जुड़ी हैं। नए समूहों का गठन ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने और उन्हें संगठित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

चालू वित्तीय वर्ष में गौरेला विकासखंड में 211 नए स्व-सहायता समूहों का गठन कर 4,189 महिलाओं को जोड़ा गया है। पेंड्रा विकासखंड में 130 नए समूहों से 3,302 महिलाएं तथा मरवाही विकासखंड में 335 नए समूहों से 4,538 महिलाएं जुड़ी हैं।

गंजेपन से मुक्ति
1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

JATU'Z
CUT N SHINE
930099-11331

रंगोली केवल के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P122
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
ऑटोफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

आप इससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं.....

नवरात्रि में मोनालिसा ने दिया पावरफुल रिमाइंडर

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक पावरफुल मैसेज दिया है।

शारदीय नवरात्रि चल रहे हैं। श्रद्धालु माता रानी की भक्ति में लीन हैं। इन दिनों गरबा भी खेला जाता है। इंडस्ट्री में भी इन पावन दिनों में खूब रौनक देखी जाती है। भोजपुरी अदाकारा मोनालिसा ने अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं।

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। मोनालिसा साड़ी में ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ हैवी ज्वैलरी पहनी है।

तस्वीरों के साथ मोनालिसा ने फैंस को एक खास मैसेज दिया है। अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा है, 'नवरात्रि। नौ रातें...एक जरूरी बात, जो याद रखनी चाहिए। आप जिस दौर, जिस समय से गुजर रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं'।

पिंक और ग्रीन कलर की साड़ी में मोनालिसा हंसती-मुस्कुराती हुई पोज दे रही हैं। वे अपना मेकअप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री के लिबास की फैंस तारीफ कर रहे हैं।

मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा जगत की चर्चित एक्ट्रेस हैं। उनका असली नाम अंतरा बिस्वास है। फिल्मों के अलावा वे कई टीवी शो का हिस्सा भी रही हैं।



राधिका ने बयां किया दर्द सुनाया बचपन का किस्सा

एक्ट्रेस राधिका मदान ने अपने लुकस को लेकर ट्रोल होने पर बात की। उन्होंने बताया कि किस तरह उनकी डेब्यू फिल्म के दौरान लोगों ने उन्हें ट्रोल किया था। बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने महिलाओं के लुक को लेकर दबाव डोलने पर बात की।

बॉडी रोमिंग पर क्या बोली राधिका?

राधिका मदान ने बॉडी रोमिंग को लेकर अपना निजी संघर्ष भी साझा किया। उन्होंने कहा, 'मैंने फिल्म 'पटाखा' के लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था और 'शिद्द' व 'अंग्रेजी मीडियम' के लिए मैं वह वजन घटा रही थी।

इस दौरान मुझे कहा गया कि मैं बहुत मोटी हो गई हूं और हीरोइन कैसे बन सकती हूं? इसके बाद लगातार शर्टिंग करते हुए मेरा वजन घटता रहा और मैं बिल्कुल हड्डियों का ढांचा बन गई।'

एक्ट्रेस ने खुद से किया यह सवाल

आगे अपने इंटरव्यू में राधिका ने कहा, 'मैंने खुद से पूछा कि मैं लोगों को खुश करने की कोशिश क्यों कर रही हूं, जबकि वे कभी खुश नहीं होंगे? इसलिए, मैंने एक खास शारीरिक बनावट पाने की चाहत के बजाय स्वास्थ्य रहने पर ध्यान देना शुरू किया। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो दूसरों की राय आपको प्रभावित नहीं करती, क्योंकि आप समझदार हो जाते हैं। आपको नहीं पता कि उनकी आलोचना किस असुरक्षा से उपजी है। लेकिन मुझे इस बात का सुकून है कि अब मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही हूं।'

बताया कैसे खुद को ट्रोलिंग से बचाया

राधिका ने बताया कैसे करें खुद से प्यार?

अपनी बातचीत में राधिका मदान ने कहा, 'मुझे खुद से प्यार करने का विचार थोड़ा घिसा-पिटा लगता है, लेकिन आपको खुद को स्वीकार करना होगा। अपनी खुबियों के बारे में सोचना होगा। स्कूल के दिनों में मेरी भीड़ें जुड़ी हुई थीं और बहुत ज्यादा पॉजिटिव था, मेरे माता-पिता का व्यवहार बहुत पॉजिटिव था, इसलिए मुझे इतना बढ़ावा दिया गया कि मुझे लगा कि लोगों को यह नहीं पता कि मैं कितनी सुंदर हूं। मेरे दोस्त थे, लेकिन मुझे कभी भी उनकी राय की जरूरत महसूस नहीं हुई। इसलिए, जब मेरी जुड़ी हुई भीड़ें हट गईं और लोग मुझे नोटिस करने लगे, तब भी मैंने उनमें बदलाव देखा।'

राधिका मदान का वर्कफ्रंट

एक्ट्रेस राधिका मदान ने फिल्म 'पटाखा' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। उनके करियर को पहचान इरफान खान के साथ उनकी फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' ने दिलाई। इसके बाद उन्होंने वह 'शिद्द', 'जिगरा' में भी नजर आई। हाल ही में वह 'लस्ट स्टोरी 3' में नजर आई।



‘बाप में है दम, वंदे मातरम’

भाईजान ने साझा कि पिता सलीम खान के साथ फोटो

सलमान खान का सोशल मीडिया पोस्ट एक बार फिर इंटरनेट पर छा गया है। उन्होंने पिता सलीम खान के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। पिता-पुत्र दोनों, राउंड हैट पहने नजर आ रहे हैं।



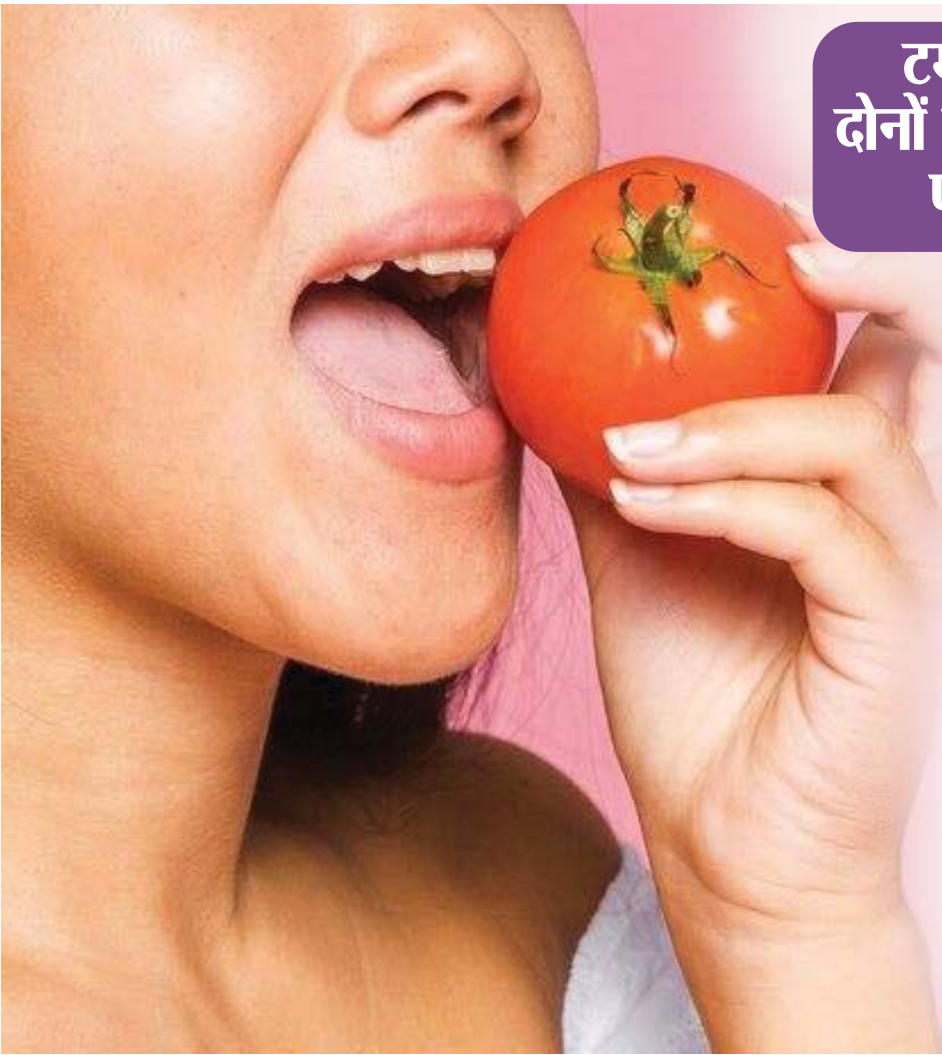
बॉलीवुड के दबंग खान सलमान खूब सुर्खियों में हैं। बीते दिन वे करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में नजर आए। अब वे अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर छा गए हैं। कल देर रात सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर पिता सलीम खान के साथ तस्वीरें साझा कीं। इसके साथ उन्होंने दमदार कैप्शन लिखा है।

बाप-बेटे की जोड़ी माशाअल्लाह

सलमान खान के पोस्ट तो शानदार होते ही हैं, इन दिनों उनके कैप्शन भी खूब दमदार होते हैं। ऐसा ही एक बार फिर देखने को मिला है। काउन्सिलर लुक में सलमान खान और सलीम खान टयूनिंग करते दिख रहे हैं। कैप्शन में सलमान खान ने लिखा है, 'बाप बाप होता है'। तस्वीरों में सलीम खान कुर्सी पर बैठे हैं। सलमान खान उनके पीछे खड़े हैं और पिता के साथ बड़ी आत्मीयता से गले लगते हुए तस्वीरें क्लिक कराई हैं।

दबंग खान ने ईश्वर को कहा शुक्रिया

अपने पोस्ट के साथ सलमान खान ने लिखा है, 'हाउडी पार्टनर ही हाव एट 91 एट 1 हैविंग वन, बाप-बाप होता है। वह असली मॉनस्टर हैं। हम सब के बाप में है दम, वंदे मातरम। एक और दिन नहीं होता, एक और दिन कम होता है। आप लोग समझ गए? ईश्वर बहुत दयालु रहे हैं। एक तस्वीर में सलमान खान ने अपने पिता के हाथ थाम रखे हैं।



टमाटर बनाम सेब दोनों में से किसमें ज्यादा पोषण होता है?

टमाटर और सेब दोनों ही फल हैं, लेकिन इनकी बनावट, स्वाद और पोषण संबंधी लाभ एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। सेब मीठा और कुरकुरा होता है, जबकि टमाटर थोड़ा खट्टा और नरम होता है। ऐसे में सवाल उठता है कि इनमें से किसमें ज्यादा पोषण होता है।

टमाटर में विटामिन-सी, पोटेशियम और लाइकोपीन की अच्छी खासी मात्रा होती है। लाइकोपीन एक एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो कैंसर से बचाने में मदद कर सकता है। टमाटर में मौजूद पोटेशियम उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा टमाटर का सेवन शरीर की सूजन को कम करने, दिल के स्वास्थ्य में सुधार करने और पाचन को बेहतर रखने में भी मदद कर सकता है।

सेब के सेवन से मिलने वाले फायदे सेब में विटामिन-सी, पोटेशियम, फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं। यह फल दिल की बीमारी, मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा सेब का सेवन पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने और वजन को नियंत्रित करने में भी सहायक हो सकता है। साथ ही सेब का सेवन शरीर में सूजन को कम करने, हड्डियों को मजबूत बनाने, दांतों को स्वस्थ रखने और त्वचा को निखारने में मदद कर सकता है।

सेब और टमाटर को खाने का सही तरीका टमाटर को कच्चा खाने से ज्यादा स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पाता है। इसलिए इसे सलाद या फिर सब्जी के तौर पर खाया जा सकता है। आप चाहें तो टमाटर की चटनी भी बना सकते हैं। इसके अलावा टमाटर का जूस भी बनाकर पीया जा सकता है। सेब को कच्चा खाने से स्वास्थ्य को कई फायदे मिल सकते हैं। आप चाहें तो इसे काटकर खाने या फिर जूस बनाकर पी सकते हैं।

सेब और टमाटर में से किसका चयन करना है बेहतर? टमाटर और सेब दोनों ही फल अपने-अपने स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, लेकिन आप अपनी जरूरत के अनुसार इनमें से किसी एक को चुन सकते हैं। टमाटर में मौजूद पोषक तत्व शरीर की सूजन को कम करने और दिल को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं, जबकि सेब को कम कैलोरी वाला फल माना जाता है, जो वजन को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है। दोनों ही फलों का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

क्या ज्यादा एक्सरसाइज करने से हृदय को नुकसान पहुंच सकता है?

अधिकतर लोग मानते हैं कि जितना ज्यादा एक्सरसाइज करेंगे, उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद होगा, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि ज्यादा एक्सरसाइज करने से ही फायदा हो। हृदय के डॉक्टरों का कहना है कि बहुत ज्यादा एक्सरसाइज करने से हृदय को नुकसान भी पहुंच सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताते हैं, जो बताते हैं कि आप ज्यादा एक्सरसाइज कर रहे हैं और इससे आपका हृदय प्रभावित हो रहा है।

सांस लेने में परेशानी होना

अगर आपको सांस लेने में काफी परेशानी हो रही है तो इसे नजरअंदाज न करें।

यह संकेत बता सकता है कि आप ज्यादा एक्सरसाइज कर रहे हैं, खासतौर से जब आप सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते या जल्दी कोई काम करते हुए सांस फूलने लगे तो इसे हल्के में लेने की गलती न करें।

यह संकेत हृदय की कमजोरी या हृदय की बीमारी का भी हो सकता है, इसलिए डॉक्टर से जांच करवाएं।



थकान महसूस होना

अक्सर लोग मानते हैं कि एक्सरसाइज करने से शरीर चुस्त-दुरुस्त रहता है, लेकिन अगर आप ज्यादा एक्सरसाइज कर लेते हैं तो इसके कारण आपको थकान भी हो सकती है। इससे शरीर में कमजोरी और दर्द भी हो सकता है।

अगर आपको लगातार थकान महसूस हो रही है तो इसके कारणों का पता लगाएं और एक्सरसाइज का समय कम कर दें। इसके अतिरिक्त पर्याप्त आराम करें और डॉक्टर से संपर्क करें।

हृदय की धड़कन का अनियमित होना

अगर आपको कभी भी अपने हृदय की धड़कन का अनियमित होना महसूस हो तो इसे नजरअंदाज करने की गलती न करें।

कभी-कभी हृदय की धड़कन का जल्दी या धीमा होना सामान्य होता है, लेकिन कई बार यह बहुत ज्यादा एक्सरसाइज करने के कारण भी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त हृदय की धड़कन के साथ चक्कर आना, सीने में दर्द और सांस लेने में परेशानी होना भी ज्यादा

एक्सरसाइज करने के कारण हो सकते हैं।

सिरदर्द होना

ज्यादा एक्सरसाइज करने के कारण सिरदर्द होना भी संभव है। इसका कारण शरीर में खून के बहाव में बदलाव, शरीर में पानी की कमी या फिर शरीर में नमक और खनिजों का असंतुलन हो सकता है।

इसके अतिरिक्त सही तरह से सांस न लेना भी सिरदर्द का कारण हो सकता है। अगर आपको सिरदर्द हो रहा है तो आराम करें और ज्यादा एक्सरसाइज करने से बचें। इसके साथ ही डॉक्टर से संपर्क करें।

नींद न आना

ज्यादा एक्सरसाइज करने से नींद पर भी असर पड़ सकता है। अगर आप रात में सोने की कोशिश करते हैं, लेकिन सो नहीं पाते या फिर सोने के बाद भी सुबह उठने पर खुद को तरोताजा महसूस नहीं करते तो समझ जाएं कि आप ज्यादा एक्सरसाइज कर रहे हैं।

ऐसे में एक्सरसाइज का समय कम कर दें और ज्यादा से ज्यादा आराम करें।

रश्मिका ने 400 परिवारों को लिया गोद, जयम्मा से की अपनी तुलना

रश्मिका मंदाना अपनी आगामी फिल्म 'रणबाली' में जयम्मा का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में उन्होंने कई जरूरतमंद परिवारों के राशन का खर्च उठाने का संकल्प लिया। इस बात को जयम्मा से जोड़ते हुए उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस से जानकारी साझा की। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की फिल्म 'रणबाली' जल्द रिलीज होने वाली है। इससे पहले एक्ट्रेस ने फैंस का दिल जीतने वाला काम कर दिखाया है। उन्होंने 400 परिवारों को गोद लिया है। अब वह तीन-तीन महीने की किस्तों में उनके राशन का खर्च उठाएंगी। इससे वह बाकि लोगों को भी इस तरह के नेक काम करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।

रश्मिका मंदाना ने अपनी इस सामाजिक सेवा की जानकारी सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। उन्होंने लिखा, 'आप जिन किरदारों को निभाते हैं, उनमें कुछ ऐसा होता है जो आपको प्रभावित करते हैं। आपमें से कई लोग मुझसे पूछते रहते हैं कि क्या जयम्मा और मुझमें कोई समानता है? मेरा जवाब है हां - और यह उनमें से एक है। यह हमेशा से मैं रही हूं और यह वह भी है और मैं हमेशा आपके प्यार के लिए इस तरह की चीजें करती रहूंगी... लेकिन मैंने इसे हमेशा गुप्त रखा क्योंकि मुझे लगता था कि अगर सिर्फ मुझे, मेरी टीम को और हममें से कुछ लोगों को पता हो तो काफी है। लेकिन अब मैं इस बारे में खुलकर बात कर रही हूं क्योंकि मैं सोच रही हूं अगर इससे आप सभी प्यारे लोगों को भी ऐसा कुछ करने की प्रेरणा मिले तो मुझे खुशी होगी।'

आगे अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'मैंने सोचा कि क्यों न अभी से शुरुआत की जाए। आज मैंने 400



परिवारों को गोद लिया है और मैं एक बार में 400 परिवारों की 3 महीने तक मदद करना चाहती हूं और अगले एक साल तक इसे जारी रखना चाहती हूं। मुझे उम्मीद है कि वे किराने के सामान पर होने वाले खर्च को बचाकर अपने भविष्य की बेहतर योजना बना सकेंगे। दयालुता का एक छोटा सा काम भी किसी के जीवन को बदल सकता है और इसके लिए बड़ा होना जरूरी नहीं है। चलिए हम सब एक छोटी सी शुरुआत करें।'

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की अदाकारी वाली तेलुगु पीरियड ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन हैं। इसमें रश्मिका मंदाना ने जयम्मा का किरदार निभाया है। वहीं विजय देवरकोंडा ने रणबाली का किरदार निभाया है। फिल्म रायलसीमा के काल्पनिक गांव सिंगानामाला पर आधारित है। यह फिल्म देशभर में 16 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है।

खास-खबर



बकरा वितरण योजना से अंजोला एक्का ने कमाए 65 हजार रुपये

सरगुजा। लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम लोसंगी निवासी अंजोला एक्का ने छत्तीसगढ़ शासन की नर बकरा वितरण योजना का लाभ लेकर अपने पारंपरिक बकरी पालन व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाया है। अंजोला ने शासन से मिले 4 हजार रुपये के अनुदान की सहायता से उन्नत नस्ल का बकरा खरीदा। वर्तमान में उनके पास 15 बकरा-बकरियाँ हैं और पिछले वर्ष उन्होंने बकरियों की बिक्री से 65 हजार रुपये की आय अर्जित की। प्रदेश में पशुपालन आधारित आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत धनेश्वर को गिली ट्राइसाइकिल

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भट्ठागंव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने संवेदनशीलता और जनसेवा की प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए सूरजपुर जिले के ग्राम कसलगिरी निवासी दिव्यांग धनेश्वर साहू को ट्राइसाइकिल प्रदान की। उनकी आवागमन संबंधी कठिनाइयों और आवश्यकता को समझते हुए श्रीमती राजवाड़े ने उन्हें ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। सेवा संकल्प अभियान के तहत अपने आश्वासन को पूरा करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने निज निवास बोरपुर में श्री धनेश्वर साहू को ट्राइसाइकिल भेंट की। इससे उन्हें आवागमन में सुविधा मिलेगी और दैनिक गतिविधियाँ अधिक सहजता से पूरी करने में मदद मिलेगी।

झगराखंड में ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण और स्वच्छता का संकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

जीपीएम। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जीपीएम जिले में जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जल जन सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत गोरैला विकासखंड के झगराखंड जलाशय में स्वच्छता एवं जल संरक्षण जागरूकता अभियान चलाया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त समन्वय से आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए जलाशय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की और जल स्रोतों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। जन चौपाल, जल संकल्प, ग्रामीण पेयजल स्रोतों की जांच एवं ग्राम जल सुरक्षा संवाद से ग्रामीणों को प्रेरित किया गया।

जनजातीय क्षेत्रों में तिलहन का उत्पादन बढ़ाने हेतु आईजीकेवी में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के संचालनालय अनुसंधान सेवाएँ में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईओआर), हैदराबाद के सहयोग से छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में उत्पादकता एवं आजीविका बढ़ाने हेतु तिलहन उत्पादन प्रौद्योगिकियों का प्रोत्साहन विषय पर जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत कार्यशाला आयोजित की गई।

इसमें 40 से अधिक किसानों एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यशाला में तिलहन फसलों की उत्पादकता बढ़ाने, उन्नत किस्मों एवं गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता, वैज्ञानिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, खरपतवार प्रबंधन तथा कृषि यंत्रीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर किसानों को नाइजुर (रामतिल), सूरजमुखी, कुसुम, तिल, अलसी एवं सरसों के बीज तथा अन्य कृषि आदान वितरित किए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान के निदेशक ने बेमेतरा में अलसी के डंटल से धागा एवं कपड़ा बनाने की प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि यह प्रौद्योगिकी



किसानों की आमदनी बढ़ाने में विशेष रूप से सहायक सिद्ध हो सकती है। अलसी के डंटल का उपयोग कर धागा एवं कपड़ा बनाने की यह पहल कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धन तथा किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर सृजित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति, भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डॉ. आर. के. माथुर, जनजातीय उप-योजना कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. जी. सुरेश, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएँ डॉ. विवेक त्रिपाठी तथा विभिन्न केंद्रों के वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील जनजातीय किसानों ने सहभागिता की।

कुलपति ने तिलहन फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देते हुए भारत को तिलहन उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों एवं वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने तिलहन फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकों को अपनाने तथा किसानों का आय में वृद्धि के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे बस्तर अंचल, सरगुजा अंचल एवं मैदानी क्षेत्रों से आए जनजातीय कृषकों को तिलहन फसलों की विविधता, उनकी खेती तथा संबंधित उत्पादन प्रौद्योगिकियों से परिचित कराया गया।

इसके अतिरिक्त, किसानों को रायपुर में तिलहन फसलों की



विविधता एवं प्रसंस्करण से संबंधित प्रदर्शनों का अवलोकन कराया गया, जिससे उन्हें उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन मिल सके।

डॉ. संजय के. द्विवेदी, प्रमुख वैज्ञानिक, अखिल भारतीय समन्वित अलसी अनुसंधान परियोजना ने तिलहन फसलों से संबंधित जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों का अवलोकन प्रस्तुत किया। अन्य वक्ताओं ने गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता, खेत-स्तरीय प्रदर्शन, किसान प्रशिक्षण, वैज्ञानिक मार्गदर्शन, उचित भंडारण, प्रसंस्करण तथा बाजार से बेहतर जुड़ाव पर विशेष बल दिया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में तिलहन उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाकर किसानों की आय में वृद्धि करना तथा उनकी आजीविका को सुदृढ़ बनाना था।

इस कार्यशाला के माध्यम से वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करते हुए जनजातीय क्षेत्रों में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने, कृषि आधारित आजीविका के नए अवसर विकसित करने तथा किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

मुख्यमंत्री साय ने शिवरीनारायण में किए नरनारायण के दर्शन

- मठ मंदिर में गौ माता को गुड़ और केला खिलाकर किया पूजन
- प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले की पावन धार्मिक नगरी शिवरीनारायण पहुंचकर सप्तीक भगवान नर-नारायण के दर्शन किए। श्री साय ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि के साथ निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिवरीनारायण छत्तीसगढ़ की आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र है। यह पावन भूमि माता शबरी की अनन्य भक्ति और प्रभु श्रीराम से जुड़ी स्मृतियों को अपने भीतर संजोए हुए है। यहां आकर मन को विशेष शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है और इसका संरक्षण एवं संवर्धन हम सभी का दायित्व है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान नर-नारायण की पूजा-अर्चना की और प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि ईश्वर की



कृपा से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास और खुशहाली के पथ पर आगे बढ़े तथा समाज में सद्भाव, भाईचारा और आपसी प्रेम बना रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय इसके पश्चात शिवरीनारायण स्थित मठ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने गौ माता को गुड़ और केला खिलाया तथा माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक पूजन किया। मुख्यमंत्री ने गौ सेवा को हमारी सनातन संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण

जीवनशैली, कृषि परंपरा और लोकजीवन में गौ माता का विशेष स्थान रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मठ मंदिर परिसर में संतों एवं श्रद्धालुओं से भी आत्मीय भेंट की। उन्होंने कहा कि हमारे मठ-मंदिर और धार्मिक स्थल केवल आस्था के केंद्र नहीं हैं, बल्कि ये पीढ़ियों से समाज को संस्कार, सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ते आए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के

साथ शिवरीनारायण स्थित जगन्नाथ मंदिर में भी विधि-विधान से दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान जगन्नाथ से प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवरीनारायण की धार्मिक परंपरा छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान का हिस्सा है। महानदी, शिवनाथ और जोंक नदी के पावन संगम के समीप स्थित यह नगरी सदियों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रही है। यहां के मंदिर, परंपराएं और धार्मिक मान्यताएं हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिवरीनारायण का नाम आते ही माता शबरी की अनन्य भक्ति और प्रभु श्रीराम के प्रति उनके अगाध प्रेम का स्मरण होता है। यह पावन भूमि हमें भक्ति, समर्पण और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। शिवरीनारायण की आध्यात्मिक विरासत छत्तीसगढ़ के गौरवशाली इतिहास और लोकआस्था का महत्वपूर्ण अध्याय है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थलों की पहचान को और सुदृढ़ करने तथा हमारी समृद्ध विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराएं हमारी पहचान हैं और इनका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी साझा जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, राजेश्री महंत रामसुंदर दास सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

डिप्टी सीएम शर्मा को शक्कर की बोरियों से तौलकर जताया आभार



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरकार द्वारा गन्ने का मूल्य 425 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने पर कबीरधाम जिले के गन्ना उत्पादक किसानों में उत्साह एवं खुशी का माहौल है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के किसान हितैषी निर्णय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आज कवर्धा में किसान संघों के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में किसानों ने उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। किसानों ने उन्हें गन्ना भेंटकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान किसानों ने उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा को शक्कर की बोरियों से तौलकर उनका विशेष अभिनंदन किया।

कवर्धा में जिला पंचायत कार्यालय और विधायक कार्यालय के पास किसान संघों के पदाधिकारियों एवं किसानों ने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का

गन्ने का मूल्य 425 रुपये प्रति क्विंटल होने पर खुशी जताते हुए आभार व्यक्त किया। किसानों ने कहा कि गन्ने का मूल्य बढ़ने से जिले के हजारों गन्ना उत्पादक परिवारों को लाभ मिलेगा। इससे खेती की बढ़ती लागत की भरपाई करने में सहायता मिलेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि कबीरधाम जिला गन्ना उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल है। गन्ने का बेहतर मूल्य मिलने से गन्ने की खेती को और प्रोत्साहन मिलेगा।

इस अवसर पर श्री शर्मा ने किसानों के स्नेह और आत्मीय अभिनंदन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसान हमारे अनुराग हैं और उनकी मेहनत से ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

प्रस्तावित हाईटेक बस स्टैंड को यात्रियों की सुविधा और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाएगा। यहां आधुनिक यात्री प्रतीक्षालय, सुव्यवस्थित वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर, लिफ्ट और आधुनिक शौचालय सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। डिजिटल सूचना स्क्रीन लगाने की भी योजना है।

बस स्टैंड परिसर में 40 दुकानों का निर्माण भी प्रस्तावित है। इससे यात्रियों को आवश्यक वस्तुएं और सेवाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस बस टर्मिनल से विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को सहूलियत होगी।

उपमुख्यमंत्री ने विंध्यवासिनी मां से मांगी प्रदेश की खुशहाली

श्रीकंचनपथ समाचार

प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने भवन निर्माण से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। ज्योति कलश भवन के निर्माण से मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजनों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार में सहायता मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा के छिरपानी कॉलोनी स्थित मां दुर्गा पंडाल पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली को कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात भी की।

महतारी वंदन से दीपाली संवार रही बेटी का भविष्य



खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। जिले के ग्राम बघमरा की श्रीमती दीपाली मरकाम महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपए की सहायता राशि को वे अपने बच्चों की शिक्षा और बेटी के सुरक्षित भविष्य के लिए बचत में उपयोग कर रही हैं। बेटी का भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित करने वे सुकन्या समृद्धि योजना में राशि जमा करती हैं। बच्चों की कॉपी-किताब और अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति में भी यह आर्थिक सहायता उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं श्रद्धालु उपलब्ध यहां उचित व्याज दर पर धरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रोड किनारे अज्ञात व्यक्ति का शव लटका मिला, जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़। थाना चक्रधरनगर पुलिस को ग्राम बंगुरसिया मेन रोड किनारे एक फांसी के फंदे पर लटके होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही चक्रधरनगर पुलिस एवं एफएसएल अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर करीब 35 वर्ष के अज्ञात पुरुष का शव लाल रंग के कपड़े से फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। आसपास के रहवासियों से पूछताछ करने पर भी मृतक की पहचान नहीं हो सकी। चक्रधरनगर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को मर्चुरी में सुरक्षित रखवाया है तथा मृतक की पहचान और उसके परिजनों की पतासाजी की जा रही है। पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चक्रधरनगर पुलिस द्वारा मृतक के फोटोग्राफ विभिन्न सूचना एवं संपर्क समूहों में साझा किए गए हैं।

छेड़छाड़ करने वाले आरोपी पर बस्तर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

जगदलपुर। एसपी शलभ कुमार सिन्हा, के दिशानिर्देशन, एएसपी सुखनंदन रावौर के मार्गदर्शन सीएसपी सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में विशेष टीम गठित कर अपराधिक तत्वों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। 11 अक्टूबर को शाम करीब 6 बजे अपने किराए की घर पर खाना बना रही श्री कि पड़ोस में रहने वाला गौरव बिसाई नाम का व्यक्ति गलत नियत से पीड़िता के हाथ बांह को पकड़ कर लज्जा भंग करने लगा की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली जगदलपुर में अपराध क्रमांक230/26 धारा 74, 331.1 बीएनएस के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया दौरान विवेचना प्रार्थी एवं गवाहों का कथन तथा अन्य साक्ष्य एकत्रित कर तत्काल आरोपी गौरव बिसाई को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा घटना घटित करना स्वीकार करे पर आरोपी गौरव बिसाई पिता नंदू बिसाई, 25 साल, थाना कोतवाली, जगदलपुर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड हेतु माननीय न्यायालय पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

हत्या के प्रयास व लुटपाट के मामलों में 4 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा जिले में कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास, नाबालिग से छेड़छाड़ और लुटपाट के अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल चार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें नाबालिग भी शामिल हैं। दो मामलों में फरार आरोपियों को पकड़ने में भी पुलिस को सफलता मिली है। 4 मार्च 2026 को मोतीसामार निवासी प्रवीण बरठ पर कुछ आरोपियों ने कथित तौर पर एक राय होकर चाकू और ऑपरेशन ब्लेड से हमला किया था। इस मामले में हत्या की नीयत से हमला करने की शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 226/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

भेड़-बकरियों की चोरी से दहशत : घर बाहर से बंद कर चोर ले जा रहे मवेशी, 20 से ज्यादा शिकायते

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले के पुसौर थाना क्षेत्र के कई गांवों में भेड़-बकरियों की चोरी हो रही हैं। रात के अंधेरे में अज्ञात चोर घरों के पीछे बने बकरी कोठों की दीवार तोड़कर भेड़-बकरियां चुरा रहे हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत है। पुसौर क्षेत्र के सुर्री गांव निवासी धर्मपाल सिदार (25) ने भेड़ चोरी होने की शिकायत थाने में की है। उसने बताया कि 9 अक्टूबर की रात करीब 12 से 2 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने उसके घर के पीछे की दीवार तोड़ दी और वहां रखी चार भेड़ें चोरी कर ले गए।

रात में भेड़ों की आवाज सुनकर उसकी नींद खुली। उठकर देखने पर चारों भेड़ें गायब थीं। आसपास खोजबीन करने के बाद भी उनका पता नहीं चला। सुर्री के अलावा झारमुड़ा और बरगांव में भी भेड़-बकरियों की चोरी की घटनाएं हुई हैं।

नशा कारोबारी को दी 10 वर्ष का सश्रम कारावास

सूरजपुर। थाना झिलमिली में पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर ग्राम दवना में सुशील दास देवांगन पिता आनंद दास उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम दवना के कब्जे से नशीली इंजेक्शन एविल 220 नग व रेक्सोजेसिक 210 नग कुल 430 नग नशीली इंजेक्शन जप्त कर अपराध क्रमांक 47/2025 धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया था।

मामले के विवेचक एएसआई महेन्द्र सिंह मरावी के द्वारा प्रकरण में पुख्ता साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र माननीय विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) न्यायालय सूरजपुर में पेश किया। प्रकरण का संचालन विशेष लोक अभियोजक रमेश सिंह कुशवाहा द्वारा किया गया।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास, दो साल पुराने हत्या के मामले में कोर्ट का फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दो साल पुराने एक हत्या के मामले में दुर्ग कोर्ट ने तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। बुधवार को इस केस में तीनों आरोपियों की सजा पर फैसला हुआ। 29 दिसंबर 2024 को सिविल लाइन दुर्ग में चेतन साहू नाम क युवक की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में रोशनी उर्फ रोशलीन लकड़ा निवासी चांदनी चौक अंबिकापुर तथ वार्ड नंबर 40 सिविल लाइन कसारीडीह दुर्ग निवासी कुलेश्वर साहू व आकाश

देशलहरा को दोष सिद्धि के बाद सजा सुनाई गई है।

मिली जानकारी के अनुसार 29 दिसंबर 2024 को रात्रि लगभग 20:30 बजे आयुष्मान हॉस्पिटल के पास सिविल लाइन दुर्ग में चेतन साहू के साथ मारपीट की गई जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत विवेचना की गई। विवेचना अधिकारी निरीक्षक केशव राम कोसले द्वारा प्रकरण की विवेचना की गई। इसके पश्चात प्रकरण माननीय न्यायालय में विचारण हेतु प्रस्तुत किया गया। न्यायालय दुर्ग द्वारा 14 अक्टूबर



2026 को आरोपियों रोशनी उर्फरोशलीन लकड़ा निवासी चांदनी चौक अंबिकापुर तथ वार्ड नंबर 40 सिविल लाइन कसारीडीह दुर्ग निवासी कुलेश्वर साहू व

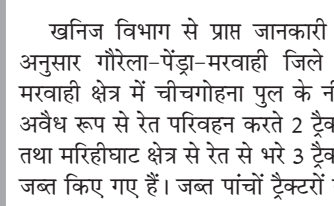
आकाश देशलहरा की दोषसिद्धि के बाद विभिन्न धाराओं में कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई गई। न्यायालय द्वारा सजाएं साथ-साथ चलाने तथा पूर्व में

खनिज के अवैध परिवहन पर सरख्ती जीपीएम में रेत से भरे 6 ट्रैक्टर जब्त

खनिज संपदा के अवैध दोहन पर प्रभावी अंकुश लगाने लगातार हो रही कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश में खनिज संपदा के संरक्षण, अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण तथा शासकीय राजस्व की सुरक्षा के लिए विशेष जोर दिया जा रहा है। सुशासन की इसी प्रतिबद्धता के अनुरूप गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला खनिज उडनदस्ता दल ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए गए 6 ट्रैक्टरों को जब्त किया है।



श्रीकंचनपथ न्यूज

गरबा नाइट में बजरंग ढल और आयोजकों के बीच झूमाझटकी, मारपीट का वीडियो वायरल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नवरात्रि के अवसर पर दुर्ग जिले में जगह-जगह गरबा का आयोजन किया जा रहा है, लेकिन दुर्ग के पद्मनाभपुर स्थित हॉकी ग्राउंड में गरबे के आयोजन में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर बवाल काटा है। इस दौरान जमकर झुमाझटकी और मारपीट भी हुई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

दरअसल पूर्व महापौर और दुर्ग शहर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष धीरज बाकलीवाल की ओर से आयोजित दो दिवसीय गरबा नाइट कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान बजरंग दल के लोगों ने गरबा में फिल्मी गाने और मुस्लिम लड़कों

को उपस्थिति का विरोध किया। वायरल वीडियो में बजरंग दल के जिला संयोजक मंच पर चढ़कर माइक से विरोध करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान आयोजक और बजरंग दल के जिला संयोजक राम लोचन तिवारी के बीच मारपीट भी हुई।

वीडियो में रामलोचन कहते नजर आ रहे हैं कि यह पर्व मां दुर्ग की उपासना का है। यहां फिल्मी गाने न बजाया जाए और किसी मुस्लिम को यहां इंट्री न दी जाए और अगर दी जा रही है तो उनके मां-बहन बेडियों को भी यहां लाया जाए। इस विरोध के दौरान गरबा आयोजकों ने बजरंग दल के विरोध पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। फिलहाल सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और खनिज संपदा के नियमानुसार उपयोग

को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी के तहत जिला प्रशासन एवं खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए निगरानी एवं जांच की कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध कारोबार से होने वाली राजस्व हानि को रोकने के साथ ही पर्यावरण एवं प्राकृतिक

कोरबा में छत तोड़कर मोबाइल दुकान से 60 हजार की चोरी

एक ही दुकान को दूसरी बार बनाया निशाना, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के बांकीमोंगरा में 4 नंबर मेन रोड स्थित दीप्ति मोबाइल शॉप को चोरों ने दूसरी बार निशाना बनाया। चोर छत का पैराफिट और दीन तोड़कर दुकान में घुसे। यहां से डीजे सिस्टम, आईपी कैमरा, डीवीआर की हार्ड डिस्क सहित करीब 50 से 60 हजार रुपए का सामान चोरी कर ले गए।दुकान संचालक सरवन साहू सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो छत का टीन खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। चोर दुकान में लगे सीसीटीवी का डीवीआर भी ले गए, ताकि उनकी पहचान न हो सके।

तेंदुए का आतंक : घर में घुसकर 3 लोगों पर किया हमला, ग्रामीणों में दहशत का माहौल



श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में तेंदुए का आतंक देखने को मिला है, जहां एक तेंदुए ने घर में घुसकर तीन लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को जिला अस्पताल धमतरी रेफर किया गया है।

तेंदुए ने घर में घुसकर किया हमला

जानकारी के मुताबिक, कारीपानी



संचालक के मुताबिक, इससे पहले भी उनकी दुकान में चोरी हुई थी, लेकिन उस समय भी चोर नहीं पकड़े जा सके थे। बालको थाना क्षेत्र के रूमगढ़ा में भी एक दिन पहले चोरों ने 6 दुकानों को निशाना बनाया। इनमें से 4 दुकानों में चोरी करने में सफल रहे, जबकि 2 दुकानों

में चोरी की कोशिश नाकाम रही। लगातार हो रही घटनाओं से दुकानदारों में दहशत और आक्रोश है। व्यापारी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

घटनास्थल पर पुलिस को हॉसिया और एल-नुमा लोहे का औजार मिला है। आशंका है कि

गांव में एक महिला घर के बाहर बर्तन धो रही थी। इसी दौरान अचानक जंगल से तेंदुआ आ पहुंचा और घर में घुसकर तीन लोगों पर हमला कर दिया।

तेंदुए के इस हमले में तीनों घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं आज सुबह तेंदुआ बहीगांव दिखाई दिया, जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

नौकरी पाने ऑनलाइन सीवी अपलोड किया, हुआ 2.72 लाख की ठगी का शिकार



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नौकरी की तलाश में ऑनलाइन सीवी अपलोड करना रायपुर के एक युवक को भारी पड़ गया। Gmail पर Shine.com से नौकरी से संबंधित लिंक आया था। उसने लिंक खोलकर अपना रजिन्म अपलोड कर दिया। नौकरी के लिए संपर्क करने वाले व्यक्ति ने इंटरव्यू कराने और रजिस्ट्रेशन करने को कहा था। कार्ड की जानकारी दर्ज करने के बाद प्रोफेसर कॉलोनी निवासी नवीन कन्नौजे के क्रेडिट कार्ड से 4 बार में 2 लाख 72 हजार 600 रुपए निकल गए। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 और संबंधित बैंकों में शिकायत करने के बाद पुरानी बस्ती थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

नवीन कन्नौजे ने शिकायत में बताया कि, उनके Gmail पर Shine.com से नौकरी से संबंधित

न्यायालय में सशक्त पैरवी की गई। विवेचना एवं अभियोजन पक्ष के समन्वित प्रयासों से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपियों को दोषसिद्ध कर सजा सुनाई गई। इस प्रकरण में विवेचना की गुणवत्ता, समय पर साक्ष्यों की प्रस्तुति तथा न्यायालय में प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला दुर्ग द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारी एवं अभियोजन पक्ष के अधिकारियों के योगदान की सराहना की गई। प्रकरण में सहायक जिला लोक अभियोजक संजय शुक्ल द्वारा की गई न्यायालयीन पैरवी भी महत्वपूर्ण रही।

भिलाई मसाला उद्योग

इसी औजार से छत तोड़ी गई। सूचना मिलने पर बांकीमोंगरा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दुकान संचालक की शिकायत पर अपराध क्रमांक 211/26 के तहत बीएनएस की धारा 331(4) और 305 में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अज्ञात आरोपियों की तलाश की जा रही है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस के सामने आरोपियों को पकड़ने, चोरी गए सामान को बरामदगी करने और व्यापारियों का भरोसा बहाल करने की चुनौती है।

कबीरधाम में 5.10 करोड़ रुपये का 998 किलो गांजा नष्ट

कवर्धा। नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए कबीरधाम पुलिस ने विभिन्न मामलों में जब्त गांजे का विधिवत नष्टिकरण किया। 15 प्रकरणों में जंबा कुल 997.827 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 5 करोड़ 10 लाख 54 हजार 650 रुपये बताई गई है, 13 अक्टूबर को नष्ट किया गया। ग्राम किशुनगढ़, तहसील पंडरिया स्थित विपुल फुड्स के फर्नेस में जिला स्तरीय मादक पदार्थ नष्टीकरण समिति की उपस्थिति में गांजे को नष्ट किया गया। नष्टीकरण की कार्रवाई में थाना बोडला, चिल्थी, कवर्धा, पिपरिया और सहसपुर लोहारा के विभिन्न प्रकरणों में जब्त गांजे को शामिल किया गया। ये मामले 2025 और 2026 के दौरान दर्ज किए गए थे। कबीरधाम पुलिस के अनुसार, मादक पदार्थों की जब्ती से लेकर उनके नियमानुसार नष्टीकरण तक निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। पुलिस ने नागरिकों से मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और परिवहन की सूचना देने की अपील की है।

कार्यालय कार्यपालन अमियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, बालोद (छ.ग.)

नियंत्रा क्र. 16/त.शा.(निबिवा)/का.अ./लो.स्वा.यां.खण्ड/2026 बालोद, दिनांक : 15-09-2026

सूचना
इस कार्यालय के निविदा सूचना क्र. 16/त.शा. (निबिवा)/का.अ./लो.स्वा.यां. खण्ड/दिनांक 15.09.2026 (जी.क्र. 262703313) में भाग लेने वाले निविदाकारों के द्वारा निर्धारित समयावधि में स्वीड पोस्ट के माध्यम से निविदा प्रचर जमा नहीं किये जाने के कारण उक्त निविदा निरस्त की जाती है।

कार्यापालन अधिपता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद
जिला - बालोद (छ.ग.)

जी-262703959/2

Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery

Beside Parakh Jewellers,
Aksah Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

मिलाने की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766



चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान
क्षेत्र में सतत प्रगति पथ पर

छत्तीसगढ़



बिलासपुर में
स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट



दंतेवाड़ा, मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-
चांपा, कुनकुरी में
मेडिकल कॉलेज



हिन्दी माध्यम से
एमबीबीएस
पाठ्यक्रम की शिक्षा



कांकेर, कोरबा, मनेंद्रगढ़, सरिया
और महासमुंद में
नर्सिंग कॉलेज



राजनांदागांव में
फिजियोथेरेपी कॉलेज



रायपुर में
उन्नत कार्डियक इंस्टीट्यूट



रायपुर में राज्य का
पहला होम्योपैथी कॉलेज



दुर्ग, कोंडागांव, जशपुर और रायपुर में
GNM प्रशिक्षण केंद्र



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री



हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

f /ChhattisgarhCMO

f /DPRChhattisgarh

www.dprcg.gov.in



सुशासन से समृद्धि की ओर